Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to set up an Archaeological Museum in Bilaspur district headquarters, Chhattisgarh and also develop sites of archaeological importance in the district as tourist places -laid.

श्री अरूण साव (बिलासपुर): छत्तीसगढ़ धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक दृष्टि से समृद्ध प्रदेश है, राज्य में स्थित पुरातत्वीय दृष्टि से महत्वपूर्ण 47 स्मारकों को सुरक्षित रखने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण रायपुर छत्तीसगढ़ सर्कल द्वारा केन्द्र संरक्षित स्मारक घोषित किया गया है। इनमें से 07 ऐतिहासिक स्थल बिलासपुर लोक सभा क्षेत्र में स्थित हैं। बिलासपुर लोक सभा क्षेत्र में स्थित प्राचीन गढ़ मल्हार, पातलेश्वर मंदिर (मल्हार), शिव मंदिर (गतौरा) कंठी देऊल मंदिर (रतनपुर), अजमेर गढ़ किला (आमनाला बिलासपुर), शिव मंदिर (बेलपान) एवं रतनपुर स्थित समस्त स्मारक हमारे गौरव पूर्ण अतीत के साक्ष्य हैं।

शैव, वैष्णव, शाक्त, जैन एवं बौद्ध धर्म के संकुल के रूप में प्रतिष्ठित मल्हार विकास खंड मस्तूरी जिला बिलासपुर छत्तीसगढ़ में भिन्न भिन्न शासकों का समय समय पर आधिपत्य रहा है। इसके प्रमाण पुरावशेष के रूप में उपलब्ध हैं इसी तरह रतनपुर, बेलपान (तखतपुर) गतौरा (मस्तूरी) आदि स्थानों पर स्थित ऐतिहासिक स्मारकों की अपनी अलग ख्याति है। बिलासपुर जिले की समृद्धशाली सांस्कृतिक विरासत को संभालने की दिशा में अब तक कोई ठोस प्रयास नहीं हो सका है। अधिकांश बेशकीमती प्रतिमाएं धूल खा रही हैं, इन प्रतिमाओं के रख-रखाव की उचित व्यवस्था नहीं की जा सकी है। जिले की प्राचीन सांस्कृतिक व गौरवमयी विरासत को सहजने जिला मुख्यालय बिलासपुर छत्तीसगढ़ में सुवयवस्थित पुरातत्व संग्रहालय (म्यूजिमयम) का निर्माण कराये जाने की नितांत आवश्यकता है। साथ ही पुरातात्विक स्थल रतनपुर, मल्हार, ताला, मटकूद्वीप को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिए आवश्यकता अनुरूप विकास कार्य कराया जाना जरूरी है।